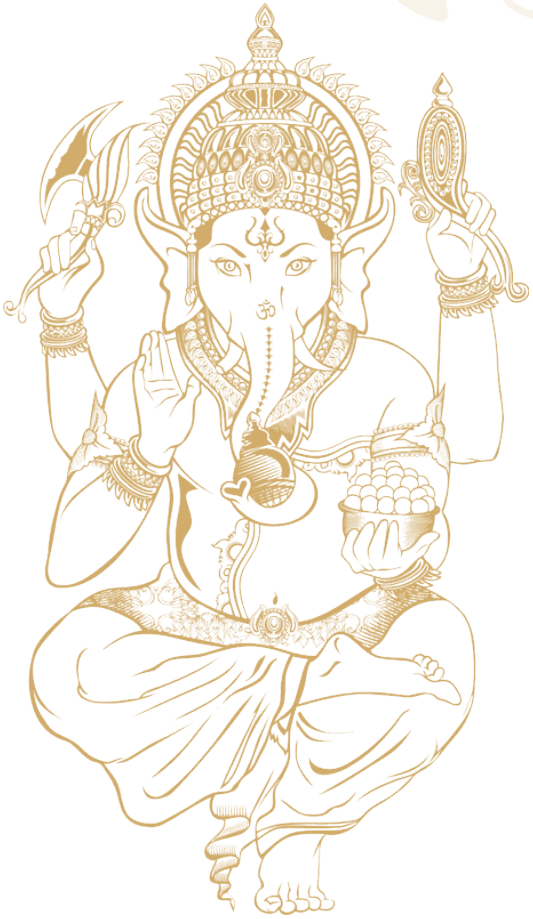

Ms.

15 Oct 1994

04:00 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121730902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14-15/10/1994**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	53:45:01 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:28:40 घंटे
वेलान्तर	00:13:54 घंटे
साम्पातिक काल	05:01:36 घंटे
सूर्योदय	06:29:59 घंटे
सूर्यास्त	18:04:35 घंटे
दिनमान	11:34:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:33:37 कन्या
लग्न के अंश	23:08:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:08:54	322:10:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	27:33:37	00:59:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	05:47:09	12:45:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	11:53:16	00:32:18	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व	अ	तुला	10:35:23	00:45:35	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	24:05:55	00:12:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		तुला	24:09:56	00:04:04	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:26:22	00:02:30	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:13:54	00:03:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:13:54	00:03:44	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:40:18	00:00:40	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:49:42	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:47:36	00:02:03	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			वृष	22:46:30	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:15

लग्न-चलित

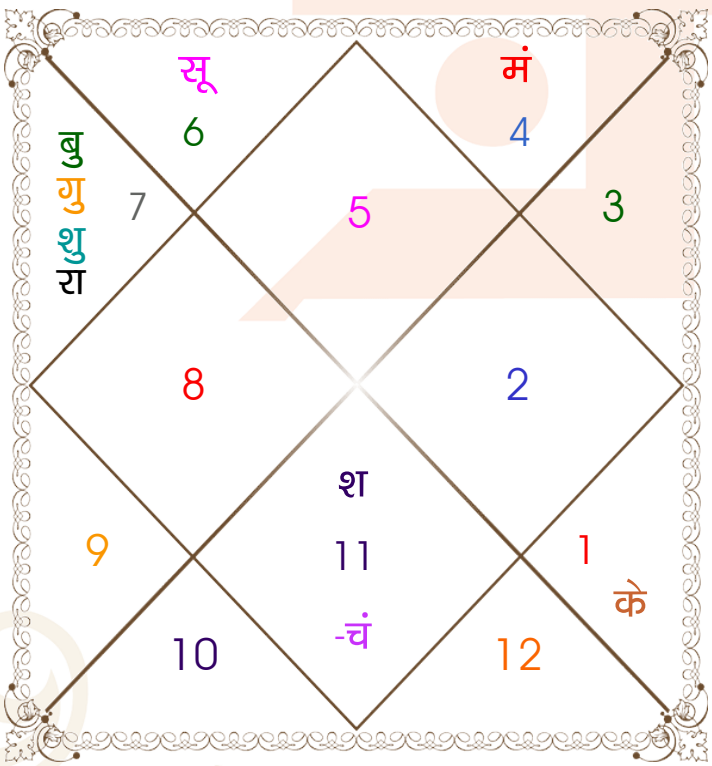

चन्द्र कुंडली

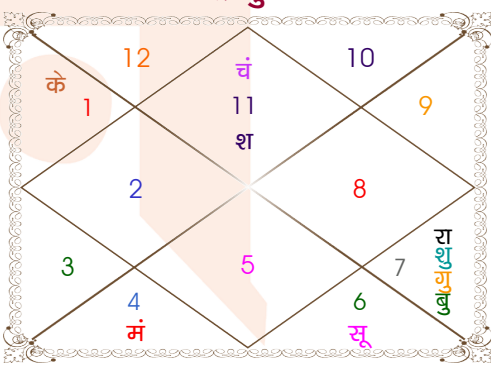

नवमांश कुंडली

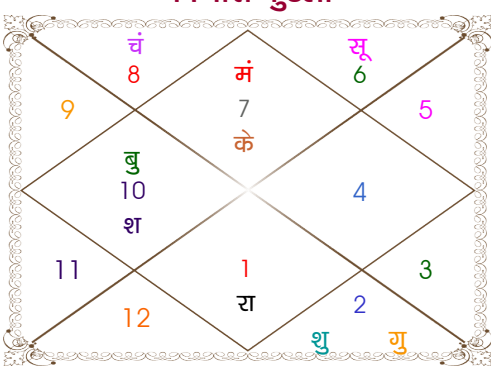

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 5 मास 16 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/10/1994		02/04/1995		01/04/2013		01/04/2029		01/04/2048	
02/04/1995		01/04/2013		01/04/2029		01/04/2048		01/04/2065	
	00/00/0000	राहु	13/12/1997	गुरु	20/05/2015	शनि	04/04/2032	बुध	28/08/2050
	00/00/0000	गुरु	07/05/2000	शनि	01/12/2017	बुध	13/12/2034	केतु	26/08/2051
	00/00/0000	शनि	14/03/2003	बुध	07/03/2020	केतु	22/01/2036	शुक्र	26/06/2054
	00/00/0000	बुध	01/10/2005	केतु	11/02/2021	शुक्र	23/03/2039	सूर्य	02/05/2055
	00/00/0000	केतु	19/10/2006	शुक्र	13/10/2023	सूर्य	04/03/2040	चंद्र	30/09/2056
	00/00/0000	शुक्र	19/10/2009	सूर्य	01/08/2024	चंद्र	04/10/2041	मंगल	28/09/2057
	00/00/0000	सूर्य	13/09/2010	चंद्र	01/12/2025	मंगल	13/11/2042	राहु	16/04/2060
	15/10/1994	चंद्र	14/03/2012	मंगल	06/11/2026	राहु	19/09/2045	गुरु	23/07/2062
चंद्र	02/04/1995	मंगल	01/04/2013	राहु	01/04/2029	गुरु	01/04/2048	शनि	01/04/2065

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/04/2065		01/04/2072		01/04/2092		01/04/2098		02/04/2108	
01/04/2072		01/04/2092		01/04/2098		02/04/2108		16/10/2114	
केतु	28/08/2065	शुक्र	01/08/2075	सूर्य	19/07/2092	चंद्र	31/01/2099	मंगल	29/08/2108
शुक्र	28/10/2066	सूर्य	01/08/2076	चंद्र	18/01/2093	मंगल	01/09/2099	राहु	16/09/2109
सूर्य	05/03/2067	चंद्र	01/04/2078	मंगल	26/05/2093	राहु	03/03/2101	गुरु	23/08/2110
चंद्र	04/10/2067	मंगल	01/06/2079	राहु	20/04/2094	गुरु	03/07/2102	शनि	02/10/2111
मंगल	01/03/2068	राहु	01/06/2082	गुरु	06/02/2095	शनि	01/02/2104	बुध	28/09/2112
राहु	20/03/2069	गुरु	30/01/2085	शनि	19/01/2096	बुध	02/07/2105	केतु	25/02/2113
गुरु	24/02/2070	शनि	01/04/2088	बुध	24/11/2096	केतु	31/01/2106	शुक्र	27/04/2114
शनि	05/04/2071	बुध	31/01/2091	केतु	01/04/2097	शुक्र	02/10/2107	सूर्य	01/09/2114
बुध	01/04/2072	केतु	01/04/2092	शुक्र	01/04/2098	सूर्य	02/04/2108	चंद्र	16/10/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।